मईया यशोदा पलना झुलाये | By Dimpal Bhumi

नन्द के ललना मन्द मुस्काये
मईया यशोदा पलना झुलाये
पलना झुलाये मईया पलना झुलाये
पलना झुलाये मईया पलना झुलाये
लाला को देख वो तो अति सुख पाए

पलना में झूले लीला रचाये
हाथ उठाये वो तो अँखियाँ नचाये
माटी भी खाये वो मिश्री खाये
मुंह खोले ब्रह्माण्ड दिखाए

शीश पे मुकुट कमर करधनिया
काला कजरा ज़ुल्मी नयनवा
मथवा पे काला ये टीका देखो
हर बुरी नज़र से बचाये

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%af%e0%a4%b6%e0%a5%8b%e0%a4%a6%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a4%b2%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9d%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a5%87-by-dimpal-bhumi/